

कोलंबो में टेस्ट ट्वेंटी : क्रिकेट में लैंगिक समानता की नई मिसाल करेगा पेश

कोलंबो

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में 14 नवंबर से क्रिकेट इतिहास का एक अभूतपूर्व अध्याय लिखा जाने वाला है, जब टेस्ट ट्वेंटी नामक एक अनूठा क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू होगा। यह प्रतियोगिता क्रिकेट जगत में पहली बार लड़कों और लड़कियों को एक ही टीम में खेलते हुए देखेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य खेल में लैंगिक समानता और सहभागिता को बढ़ावा देना है। 14 से 29 नवंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हार और जीत का फैसला खिलाड़ियों के संयुक्त प्रदर्शन और उनके द्वारा बनाए गए साझा रनों के आधार पर होगा।

यह पहल 13 से 21 वर्ष की आयु के 160 युवा क्रिकेटरों को एक ऐसा मंच प्रदान करेगी, जहाँ प्रतिभा और टीम वर्क लिंग भेद से ऊपर होगा।

इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात इसकी मिश्रित टीम संरचना है। खिलाड़ियों को चार महाद्वीपीय टीमों में बांटा जाएगा, जिनमें से प्रत्येक टीम में 20 लड़कियां और 20 लड़के होंगे, जिससे हर टीम में कुल 40 खिलाड़ी शामिल होंगे। यह ढांचा मैदान पर पूर्ण समानता के सिद्धांत को सुनिश्चित करता है, जहां हर खिलाड़ी का योगदान टीम के समग्र प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण होगा।

टूर्नामेंट के संस्थापक गौरव बहिरवानी के अनुसार, समानता सिर्फ खेल के मैदान तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्रसारण के दौरान भी लड़कों और लड़कियों को बराबर कवरेज देने की योजना है, ताकि उनकी उपलब्धियों को समान रूप से सराहा जा सके। यह क्रिकेट के जरिए सामाजिक बदलाव लाने की एक महत्वपूर्ण कोशिश है।

कोलंबो के प्रतिष्ठित सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट का टेस्ट ट्वेंटी प्रारूप भी अपने आप में बेहद दिलचस्प है। प्रत्येक मुकाबला एक ही दिन में पूरा होगा और कुल 80 ओवरों का खेल खेला जाएगा। शुरुआती 40 ओवर दिन के समय लाल गेंद से सफेद पोशाक में खेले जाएंगे, जिसके बाद बाकी 40 ओवर सफेद गेंद से रंगीन पोशाक में फ्लडलाइट की रोशनी के बीच आयोजित होंगे। दोनों चरणों में बनाए गए रन टीम के कुल स्कोर में जोड़े जाएंगे, और प्रत्येक टीम को दो बार बल्लेबाजी करने का अवसर मिलेगा, जिससे खेल में रोमांच और रणनीति का समावेश होगा। यह दोहरी प्रकृति खेल में रणनीतिक गहराई और रोमांच का संचार करेगी।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों का भी भरपूर समर्थन प्राप्त है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्लाइव लायड इसके सलाहकार बोर्ड में शामिल हैं, जो टूर्नामेंट की विश्वसनीयता और महत्व को बढ़ाते हुए इसे वैश्विक पहचान प्रदान करते हैं। भारतीय क्रिकेट कोच राजकुमार शर्मा वैश्विक चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे, जबकि संचालन की जिम्मेदारी माइक फोर्डहम को सौंपी गई है।

यह टूर्नामेंट न केवल क्रिकेट के नए प्रारूपों को जन्म देगा, बल्कि लैंगिक समानता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

न्यूज ब्रीफ

किमी एंटोनेली के पहले फार्मूला-1 विश्व चैंपियन बनने पर स्टेफानो डोमेनिकली ने दी बधाई

नई दिल्ली। फार्मूला-1 के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेफानो डोमेनिकली ने किमी एंटोनेली को



पहली बार ड्राइवर विश्व चैंपियन बनने पर बधाई दी है। उन्होंने एंटोनेली की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में विश्व चैंपियन बनना उनकी असाधारण प्रतिभा, साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। डोमेनिकली ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि एंटोनेली को विश्व चैंपियन बनते देखना उनके लिए गर्व का क्षण है। वह 1953 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद फार्मूला-1 विश्व चैंपियन बनने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं। इटली ने इस उपलब्धि के लिए 73 वर्षों तक इंतजार किया है और अब पूरा देश अपने इस खिलाड़ी की सफलता का जश्न मनाएगा। उन्होंने कहा कि महानता केवल रिकार्ड बनाने से नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने से भी तय होती है। एंटोनेली ने दुनियाभर के लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को दिखाया है कि समर्पण, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत से किसी भी बड़े सपने को हकीकत में बदला जा सकता है। डोमेनिकली ने कहा कि एंटोनेली का नाम इस खेल के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गया है। फार्मूला-1 के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है और उन्हें विश्वास है कि यह एंटोनेली के शानदार करियर की सिर्फ शुरुआत है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए मैच फिटनेस हासिल करने विजय हजार ट्राफी में खेलते दिखेंगे रोहित

मुम्बई। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा अगले माह दिसंबर में होने वाले विजय हजारे



ट्राफी में खेलते दिखेंगे। रोहित मुंबई की ओर से 50 ओवर के इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए लय हासिल करने का प्रयास करेंगे। इस टूर्नामेंट से उन्हें विश्व कप से पहले अपनी मैच फिटनेस हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। रोहित ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीएस) को अपनी उपलब्धता की सूचना देने के साथ ही बताया है कि वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज समाप्त होने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, विजय हजारे ट्राफी टूर्नामेंट 14 दिसंबर से 8 जनवरी तक चलेगा, और इसमें रोहित अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बाद मुंबई टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, वह कितने मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, यह अभी तय नहीं है। इस संबंध में उन्होंने एमसीए अधिकारियों को सूचित किया है कि वह श्रीलंका सीरीज समाप्त होने के बाद इसमें अपनी उपलब्धता की जानकारी देंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदवीस सीरीज 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगी।

एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाले कप्तानों में शुभमन सहित तीन भारतीय शामिल



मुम्बई। विश्व क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बड़ी पारियां खेलकर दोहरी जिम्मेदारी निभाई हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में कप्तानी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले ऐसे ही खिलाड़ियों की सूची में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल शामिल सहित तीन भारतीय कप्तान शामिल हैं। शुभमन ने साल 2026 में गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 133 गेंदों में नाबाद 223 रन की विशाल पारी खेली थी। उनकी इस रिकार्ड पारी में 26 चौके और 8 छक्के शामिल थे। इस दोरान उनाक स्ट्राइक रेट 167.66 रहा था। शुभमन ने इस प्रदर्शन के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का नया रिकार्ड बनाया। शुभमन के अलावा भारत के ही दो और दिग्गज कप्तान भी इस सूची में शामिल हैं जिन्होंने दोहरे शतक लगाये हैं। ये हैं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा। सहवाग ने साल 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 149 गेंदों पर 219 रनों की आक्रामक पारी खेली थी, जिसमें 25 चौके और 7 छक्के शामिल थे। वहीं रोहित ने साल 2017 में मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ 153 गेंदों में नाबाद 208 रन बनाए थे, जिसमें उनके बल्ले से 13 चौके और 12 छक्के निकले थे। इन दोनों ही पारियों ने भारतीय क्रिकेट में कप्तानों द्वारा खेली गई यादगार पारियों की विरासत को मजबूत किया है। इस विशिष्ट क्लब में चौथे कप्तान इंग्लैंड के हैरी ब्रूक हैं, जिन्होंने साल 2026 में रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ 116 गेंदों में 202 रनों की तेज पारी खेली। उनकी पारी में 21 चौके और 10 छक्के शामिल थे।

आस्ट्रेलिया की वनडे और टी20 टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका, महली बियर्डमैन और ओली पीक शामिल

सिडनी

इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए आस्ट्रेलिया ने अपनी वनडे और टी20 टीमों की घोषणा कर दी है। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन, प्रतिभाशाली बल्लेबाज ओली पीक और आलराउंडर जैक एडवर्ड्स तथा लियाम स्काट को वनडे टीम में जगह दी गई है। वहीं, निकिल चौधरी और जोएल डेविस को टी20 टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शा और सैम हार्पर को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज 13 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। घरेलू मैदान पर होने वाली इस सीरीज में आठ नए खिलाड़ियों को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का अवसर मिल सकता है। बियर्डमैन, पीक, एडवर्ड्स, चौधरी, स्काट और डेविस इस साल सर्दियों के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरों पर सफेद गेंद के अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदार्पण कर चुके हैं। हार्पर और शा अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं।

मिचेल मार्श की कप्तानी में आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मुख्य समूह बरकरार रखा गया है। हालांकि, तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आराम दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद टीम को दिसंबर से लगातार 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में मिली हार के बाद ट्रेविस हेड, मैथ्यू रेनशा, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस और कूपर कोनोली



को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, ये खिलाड़ी टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। आस्ट्रेलिया को नौ दिसंबर से पर्थ में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में शीर्ष पर है। आस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर पिछले पांच में से तीन टेस्ट हारने के बाद वापसी की कोशिश करेगा। इसके बाद टीम भारत के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की बार्डर-गावस्कर ट्राफी खेलेगी। मार्च में मेलबर्न में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष मुकाबला भी आयोजित होगा।

महली बियर्डमैन ने पिछले साल जनवरी में लाहौर में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, लेकिन सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले अभ्यास के दौरान उन्हें परेशानी हुई। जांच में उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला, जिसके कारण उनका पिछला सत्र प्रभावित हुआ। चोट से उबरने के बाद उन्होंने अक्टूबर में भारत दौरे पर आस्ट्रेलिया ए की ओर से सीमित ओवरों के मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। पुडुचेरी में एक मैच में उन्होंने छह ओवर में 23 रन देकर चार विकेट लिए।

आस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जार्ज बेली ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि बियर्डमैन उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें आने वाले वर्षों में तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी बनाने के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया ए के लिए महली बियर्डमैन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।

ओली पीक और जैक एडवर्ड्स ने क्रमशः रावलपिंडी और डरबन में वनडे पदार्पण किया था। बियर्डमैन और एडवर्ड्स ने लाहौर में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया, जबकि चौधरी और डेविस ने चटगांव में इस प्रारूप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला।

पीक ने जिम्बाब्वे दौरे के दौरान मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी। उन्होंने एक मैच के अंतिम ओवर में 24 रन बनाए थे। वहीं, एडवर्ड्स ने जोहानिसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी क्षमता साबित की थी।

टी20 टीम में जेक फ्रेजर-मैकगर्क की 18 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हुई है। मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। जार्ज बेली ने दोनों खिलाड़ियों की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, जेक और मिच टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि उनकी बड़े शाट खेलने की क्षमता छोटे प्रारूपों में टीम के लिए अंतर पैदा कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा, ये दोनों ऐसे खिलाड़ियों के अच्छे उदाहरण हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिला और उन्होंने उन अनुभवों से सीखकर अपने खेल पर लगातार काम किया है।

जोश इंग्लिस ने केपटाउन में तीसरे टेस्ट में शतक लगाया था और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह पाने की दौड़ में हैं। इसी वजह से उन्हें टी20 सीरीज से आराम दिया गया है। इससे पहली बार अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की दहलीज पर खड़े विकेटकीपर बल्लेबाज लचलान शा और सैम हार्पर के लिए अवसर खुला है।

शा को इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स की वनडे कप टीम का कप्तान बनाया गया था। निक मैडिनसन की अनुपस्थिति में उन्होंने शेफील्ड शील्ड टीम की भी अगुआई की। आस्ट्रेलिया ए के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वहीं, हार्पर पिछले सत्र में बिग बैश लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट टीम में भी जगह बनाई थी, हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला। बेली ने शा की तारीफ करते हुए कहा, लाची शा बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। हमें लगता है कि वह तेजी से विकास करेंगे। उनका खेल काफी दमदार है और टी20 प्रारूप में टीम को फायदा पहुंचा सकता है। हार्पर को लेकर उन्होंने कहा, सैम हार्पर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस समय वह अपने खेल को लेकर शानदार स्थिति में हैं और सभी प्रारूपों में अपनी शैली के अनुसार निरंतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

छठे सत्र के साथ वापसी कर रही प्रो रेसलिंग लीग छह टीमें भाग लेंगी



नई दिल्ली

भारत की बहुप्रतीक्षित प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) अपने छठे सत्र के साथ एक बार फिर वापसी करने जा रही है। इसका सत्र 9 जनवरी, 2027 से शुरू होगा जिसके लिए टीमों ने तैयारियां भी शुरु कर दी हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के सहयोग से दिल्ली के प्रतिष्ठित केडी जाधव कुश्ती एरिना में आयोजित होने वाली यह लीग देश और विदेश के कुश्ती प्रशंसकों के लिए एक बड़ा आयोजन साबित होगी इस बार लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें - मुंबई डंगल्स के टाइगर्स, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वारियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रायल्स और यूपी डोमिनेटर्स खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इन टीमों में भारत सहित विभिन्न देशों के कुल 86 पहलवान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इनमें 34 ओलंपियन और कामनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स तथा विश्व चैंपियनशिप के कई पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं, जो प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना देंगे। जापान की ओलंपिक चैंपियन युई सुसाकी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ी की उपस्थिति दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र होगी।

लीग में पुरुषों और महिलाओं के कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे, जिससे हर मैच में जबरदस्त ऊर्जा और रणनीति देखने को मिलेगी। विशेष पावर मिनट नियम इस लीग की एक अनूठी विशेषता है, जहां मुकाबले के आखिरी 60 सेकंड में हासिल किए गए अंक दोगुने गिने जाएंगे। यह नियम अंतिम क्षणों में भी मैच का परिणाम बदलने की क्षमता रखता है, जिससे दर्शकों का रोमांच अंत तक बना रहेगा। प्रो रेसलिंग लीग के चेयरमैन दयान फारूकी ने लीग की वापसी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह वापसी भारत की समृद्ध कुश्ती विरासत का एक उत्सव है और इसे वैश्विक मानकों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। फारूकी ने भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले समय में देशभर के विभिन्न शहरों में मुकाबले आयोजित करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक प्रशंसकों को विश्वस्तरीय कुश्ती का अनुभव मिल सके। गौरतलब है कि साल 2015 में शुरू हुई इस लीग के पांच सफल सीज़न पहले ही आयोजित हो चुके हैं।

आस्ट्रेलिया की हार से डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत की राह मुश्किल हुई



मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका की आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 की जीत से विश्व टेस्ट चैम्पियशिप (डब्ल्यूटीसी) का समीकरण अब और उलझ गया है। इससे डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी बदलाव आया है। जिससे फाइनल में पहुंचने के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। आस्ट्रेलिया की इस हार का सीधा प्रभाव भारतीय टीम पर भी पड़ा है और उसे लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाना और भी कठिन हो गया है। आस्ट्रेलिया की इस हार का लाभ न्यूजीलैंड को मिला है और उसने अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर आ गयी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं आस्ट्रेलिया, जो पहले बेहतर स्थिति में था, अब तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं भारतीय टीम फिलहाल 51.52 प्रतिशत अंकों (पीसीटी) के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। अंक प्रतिशत के मामले में आस्ट्रेलिया का पीसीटी अभी भी भारत से काफी आगे (69.23प्रतिशत) है, लेकिन उसकी हार ने उसे भी झटका दिया है और उसकी फाइनल की उम्मीदों को कमजोर किया है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम अंक तालिका में ऊपर आयी है। जिससे शीर्ष क्रम में रोमांचक मुकाबला देखने को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ हाकी लीग का चैंपियन बना मैनपाट टाइटंस, फाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 से हराया

रायपुर

मैनपाट टाइटंस ने छत्तीसगढ़ हाकी लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया है। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 गोल से पराजित कर लीग की पहली चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।



फाइनल मुकाबला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में खेला गया। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

छत्तीसगढ़ हाकी लीग (सीएचएल) के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी टाइटंस को 4-2 से हराकर ट्राफी अपने नाम की। छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस लीग में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमों ने भाग लिया था।

मैनपाट टाइटन्स ने मैच की तेज शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में कुछ मूव बनाए। उन्होंने शुरुआत में ही सर्कल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जो किसी भी टीम के लिए हमेशा एक अच्छा संकेत होता है। लेकिन काउंटर पर शाहरुख ने एक मौका दिया, जहां उनके शाट को डिफेंडर ने रोक दिया।

मैनपाट टाइटन्स ने तीसरे क्वार्टर में रुख बदलने की कोशिश की, जब संदीप ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन उनकी बढ़त देर तक नहीं रही। स्ट्राइकर्स ने भी पेनल्टी कार्नर से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। अंतिम समय में मैनपाट ने बेहतर टीमवर्क से दो गोल और दागे तथा स्कोर 4-2 कर लीग का पहला चैंपियंन बनने में कामयाब रही।

लीग में कुल 21 लाख रुपये की पुरस्कार राशि बांटी गई। विजेता टीम मैनपाट टाइटंस को 11 लाख रुपये और उप विजेता संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 6 लाख रुपये मिले। शाहरुख अली को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट, आशीष तानी पूर्ति (13 गोल) को लीग का टाप स्कोरर और हिमांशु को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। स्थानीय खिलाड़ी मोहित नायक ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ छत्तीसगढ़ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। संदीप कुमार लीग के इमर्जिंग प्लेयर बने।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र बाहर

नई दिल्ली

भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों से उबर रहे हैं, लेकिन चार नवंबर से आकलैंड में शुरू होने वाली वनडे सीरीज तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चैपमैन को यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में खेलते समय बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हाल ही में कराई गई एमआरआई जांच के बाद उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए दो सप्ताह और पुनर्वास की जरूरत है। वहीं, रचिन रवींद्र एक प्रचार कार्यक्रम की शूटिंग के दौरान हुए हादसे में दाएं कंधे की हड्डी खिसकने के कारण चोटिल हो गए थे। उन्हें भी मैदान पर पूरी क्षमता से उतरने के लिए अभी और समय चाहिए।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि चैपमैन और रचिन टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। चैपमैन चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि रचिन का कंधा अभी सफेद गेंद के क्रिकेट में आराम से क्षेत्ररक्षण करने की स्थिति में नहीं पहुंचा है। इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी होनी है, इसलिए टीम उनके मामले में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले ही सीरीज के अंतिम दो





मुकाबलों के लिए चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली है, जबकि आलराउंडर डीन फाक्सक्राफ्ट अंतिम दो मुकाबलों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

तेज गेंदबाज मैट फिशर को भी शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहले केवल अंतिम दो वनडे के लिए चुना गया था। इस बीच, दाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में हल्की चोट के कारण पिछले तीन टी20 मुकाबलों से बाहर रहे मैट हेनरी दो नवंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। हालांकि, उनकी उपलब्धता का फैसला फिटनेस आकलन के बाद किया जाएगा।

भारत के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कानवे, जैकब डफी, मैट फिशर, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

अंतिम दो वनडे के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फाक्सक्राफ्ट, लाकी फर्ग्यूसन, मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।